शिव जी की आरती

ॐ जय शिव ओमकारा आरती

https://www.aartichalisa.com/shiv-ji-ki-aartiyan-in-hindi-and-english/

कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारं|

सदा वसन्तं हृदयाविन्दे भंव भवानी सहितं नमामि॥

जय शिव ओंकारा, भर हर शिव ओंकारा

ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा॥

ॐ जय शिव ओंकारा....

एकानन चतुरानन पंचांनन राजै|

हंसासंन, गरुड़ासन, वृषवाहन साजै॥

ॐ जय शिव ओंकारा...

दो भुज चार चतुर्भुज दस भुज अति सोहै|

तीनों रुप निरखते त्रिभुवन मन मोहे॥

ॐ जय शिव ओंकारा...

अक्षमाला, वनमाला, मुण्डमाला धारी|

चंदन, मृदमग चंदा, सोहै त्रिपुरारी॥

ॐ जय शिव ओंकारा....

श्वेताम्बर, पीताम्बर, बाघम्बर अंगें|

सनकादिक, ब्रम्हादिक, भूतादिक संगें||

ॐ जय शिव ओंकारा...

कर के मध्ये कमंडलु, चक्र त्रिशूल धारी|

सुखकारी दुखहारी जगपालन कारी ||

ॐ जय शिव ओंकारा...

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका|

प्रवणाक्षर में शोभित ये तीनों एका॥

ॐ जय शिव ओंकारा...

त्रिगुण शिवजी की आरती जो कोई नर गावें|

कहत शिवानंद स्वामी सुख सम्पति पावें॥

ॐ जय शिव ओंकारा...

जय शिव ओंकारा भर हर शिव ओंकारा|

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्द्धांगी धारा॥

ॐ जय शिव ओंकारा.